

सिखना स.क्रि. (तद्.) 1. सीखना 2. सिखाना, उपदेश
उदा. तजि सकोच सिखइअ अनुगामी-तुलसी।

सिखर पुं. (तद्.) शिखर वि. चरम, अत्यंत।

सिखरन स्त्री. (तद्.) शिखरन (श्रीखंड)।

सिखलाना स.क्रि. (तद्.) सिखाना।

सिखवन स्त्री. (तद्.) सिखावन।

सिखा स्त्री. (देश.) शिखा।

सिखाना/सिखावना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी को कोई नया काम, बात या विषय सीखने में प्रवृत्त करना 2. सब प्रकार की संबद्ध बातें बताकर शिक्षित या प्रशिक्षित करना ला.अर्थ किसी व्यक्ति को विशेष ढंग से कोई काम करने के लिए अच्छी तरह समझाना-बुझाना।

सिखावन स्त्री. (तद्.) 1. सिखाने की क्रिया या भाव 2. सिखाया हुआ काम, बात या विद्या 3. उपदेश, नसीहत, शिक्षा।

सिखि पुं. (तद्.) 1. मयूर, मोर 2. कुक्कुट, मुर्गा
क्रि.वि. सीखकर।

सिखिर पुं. (देश.) 1. शिखर 2. शिशिर।

सिखी पुं. (तद्.) सिखी, मयूर, मोर।

सिगता स्त्री. (देश.) सिकता।

सिगनल पुं. (अं.) 1. किसी विशिष्ट उद्देश्य की सिद्धि के लिए अथवा कोई कार्य आरंभ कराने के लिए किया जाने वाला संकेत 2. रेल की पटरी के समीप का विशेष संकेतक signal

सिगनलिंग स्त्री. (अं.) संकेत देने की व्यवस्था, संकेतन।

सिगरा वि. (देश.) 1. सब, सारा (संख्यावाचक) 2. समस्त, सारा (परिणामवाचक)।

सिगरेट स्त्री. (अं.) छोटा सिगार।

सिगरोइ वि. (तद्.) सारा ही।

सिगार पुं. (अं.) धूम्रपान करने के लिए कागज में तंबाकू का चूर्ण लपेटकर तैयार की हुई एक वस्तु।

सिगोती स्त्री. (देश.) एक प्रकार की छोटी चिड़िया।

सिगोन स्त्री. (तद्.) रेत मिली लाल मिट्टी जो प्रायः नालों के पास पाई जाती है।

सिचान पुं. (देश.) श्चेन, बाज (पक्षी)।

सिच्छक पुं. (तद्.) शिक्षक।

सिच्छा स्त्री. (तद्.) शिक्षा।

सिजदा पुं. (अर.) घुटने टेककर और सिर झुकाकर, क्रिया जानने वाला प्रणाम (विशेषतः ईश्वर प्रार्थना के समय)।

सिजल वि. (तद्.) 1. जो रूप-रंग के विचार से देखने में अच्छा हो, सजा हुआ, सुकर 2. किसी की तुलना में बढ़िया।

सिजली स्त्री. (देश.) एक प्रकार का पौधा जो दवा के काम में आता है।

सिज्या स्त्री. (तद्.) शय्या, सेज।

सिझना अ.क्रि. (तद्.) सीझना।

सिझान स्त्री. (तद्.) 1. सीझने या सीझाने की अवस्था/क्रिया/भाव 2. व्यापारिक क्षेत्र में दलाली, ब्याज आदि के रूप में मिलने वाला धन।

सिझाना स.क्रि. (तद्.) 1. आँच पर पकाकर गलाना, राँधना 2. चमड़ा पकाना 3. बर्तन बनाने के लिए मिट्टी तैयार करना 4. कष्ट देना।

सिटकिनी स्त्री. (देश.) खिडकियों, दरवाजों आदि को भीतर की ओर बंद करने की एक प्रकार की कुंडी जो ऊपर या नीचे की ओर अथवा दाएँ-बाएँ हटाने से चौखट पर जा लगती है, चिटकनी, चटखनी।

सिटपिटाना अ.क्रि. (देश.) प्रायः असमंजस में पड़ने के कारण और किसी के प्रश्न का उसे तत्काल ठीक या स्पष्ट उत्तर न दे सकने की दशा में कुछ लज्जित होकर इधर-उधर करने लगना।